5. किन्ही तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए । (3×6=18)

Write a Short notes on any three-

(a) अहिंसा (Non-violence)
(b) स्यादवाद (syādvāda)
(c) आत्मा (ātmā)
(d) ईश्वर (Īśvara)
(e) पञ्चमहाव्रत (Pañcamahāvrata)
(f) रत्नत्रय (Ratnatı)ıya)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4850 **J**

Unique Paper Code : 2135000011

Name of the Paper : Introduction to Jain Philosophy, (GE)

Name of the Course : **Common Prog. Group, NEP-UGCF -2022**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answer **all** questions.
3. Unless otherwise required in a question answers should be written either in **Sanskrit or in Hindi or in English,** but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

3. जब तक किसी प्रश्न में अन्यथा आवश्यक न हो, उत्तर या तो **संस्कृत में या हिंदी में या अंग्रेजी** में लिखे जाने चाहिए, लेकिन पूरे पेपर में एक ही माध्यम का इस्तेमाल किया जाए।

1. जैन दर्शन की ऐतिहासिक पृष्टभूमि पर प्रकाश डालिए । (18)

Highlight the historical background of Jain Philosophy.

अथवा

OR

जैन दर्शन की मुख्य अवधारणाओं पर प्रकाश डालिए ।

Discuss the basic concepts of Jain Philosophy.

2. भारतीय दर्शन के क्षेत्र में जैन दर्शन के योगदान के विषय में विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए । (18)

Write in detail about the contribution of Jain philosophy to Indian philosophy.

अथवा

OR

जैन दर्शन में वर्णित तत्वमीमांसा पर प्रकाश डालिये।

Give a detailed description on metaphysics described in Jain philosophy.

3. जैन दर्शन के मूल सिद्धान्तों का विस्तृत वर्णन कीजिए । (18)

Describe the basic principles of Jain philosophy in detail.

अथवा

OR

जैन दर्शन के अनुसार आत्मा एवं जगत् का स्वरूप क्या है? विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए ।

What is the nature of atma (Self) and the Jagat (Universe) according to Jain Philosophy? Explain in Detail.

4. जैन दर्शन की आचार - मीमांसा पर प्रकाश डालिए । (18)

Discuss the Ethics of Jain Philosophy

अथवा

OR

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जैनमत की प्रासंगिकता का उल्लेख कीजिए ।

Explain the relevance of Jainism in the present context.